हरिभूमि
रत्न भूमि
रायपुर, रविवार 17 मई 2026

तापमान

अधिकतम 39.0 डिग्री

न्यूनतम 28.0 डिग्री

12 जनहित के लिए प्रतिबद्ध है साय सरकार : गौरीशंकर कश्यप

13 सेंदर में सुहागिनों ने वट वृक्ष पर रक्षा सूत्र...

[राजिम | फिंगेश्वर | छुरा | मुड़ागांव | रसेला | गरियाबंद | कोपरा | मैनपुर | देवभोग | पांडुका | छुईहा बेलर]

खबर संक्षेप

संजीवनी 108 में सुरक्षित प्रसव, जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ

फिंगेश्वर। 16 मई 2026 को 108 संजीवनी एक्सप्रेस सेवा ने एक बार फिर तत्परता और सेवा भावना का परिचय देते हुए प्रसव पीड़ा से जूझ रही महिला का सुरक्षित प्रसव कराया जिसमे मां एवं बच्चे दोनों स्वस्थ हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीता खुंटे, पति राजेश खुंटे, निवासी बासीन विकासखंड फिंगेश्वर जिला गरियाबंद का दूसरी गर्भावस्था में प्रसव पीड़ा होने पर 108 एम्बुलेंस की सहायता ली गई।केस लेबर पेन का था,जिसे सीएचसी फिंगेश्वर से जिला अस्पताल महासमुंद रेफर किया गया था। महासमुंद जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही प्रसव पीड़ा बढ़ने लगी, जिसके बाद 108 एम्बुलेंस में मौजूद ईएमटी प्रेमलता साहू ने सूझबूझ और कुशलता का परिचय देते हुए सुबह 09.44 बजे सुरक्षित डिलवरी कराई जिसमे जच्चा एवं बच्चा दोनों स्वस्थ रहे। इस दौरान एम्बुलेंस चालक (पायलट) नरेंद्र साहू ने भी वाहन को सावधानीपूर्वक संचालित किया। सफल प्रसव के बाद जच्चा और नवजात दोनों स्वस्थ बताए जा रहे हैं।

विशेषज्ञों ने किसानों को दी आधुनिक तकनीकों और योजनाओं की जानकारी

कोपरा। ग्राम जेंजरा में शुक्रवार को कृषक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में गांव के किसानों और ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर कृषि एवं पशुपालन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कृषि विभाग, पशु चिकित्सा विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने किसानों को आधुनिक खेती, फसल प्रबंधन, उन्नत बीज, खाद एवं दवाइयों के सही उपयोग, पशुओं की देखभाल और शासन की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संगोष्ठी के दौरान किसानों ने अपनी समस्याएं भी रखीं, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान बताया गया। ग्रामीणों ने मिली जानकारी को खेती और पशुपालन में अमल करने की बात कही। कार्यक्रम से किसानों में नई तकनीकों और योजनाओं के प्रति जागरूकता देखने को मिली। इस दौरान मुख्य रूप से सरपंच बोधन यादव, उपसरपंच प्रमोद कुमार साहू पंच भेदुदास मानिकपुरी, रामेश्वर साहू,महेश साहू, झंगु साहू, दिलीप साहू,अजय कंवर, कृषि विस्तार अधिकारी लोकेश निर्मलकर सहित अन्य किसान व ग्रामीण रहे।

जिले में आंधी-बारिश का कहर, राइस मिल का टिन शेड उड़कर एनएच पर गिरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

ट्रांसफार्मर भी धराशायी से बाधित रहा आवागमन, धान भीगने से आर्थिक नुकसान की आशंका

शनिवार दोपहर अचानक बदले मौसम ने जिला मुख्यालय में तबाही का मंजर खड़ा कर दिया। तेज आंधी और बारिश के कारण शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित हुआ। करीब आधे घंटे तक चली तेज हवाओं ने कई जगह नुकसान पहुंचाया, वहीं सबसे बड़ा असर शहर स्थित सनराइज राइस मिल में देखने को मिला, जहां मिल का विशाल टीन शेड उड़कर सीधे नेशनल हाईवे-130सी पर जा गिरा।

हाईवे पर अचानक टीन शेड गिरने से वाहन चालकों और राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि गनीमत यह रही कि बिजली आपूर्ति पहले ही बंद हो चुकी थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। तेज हवा के कारण राइस मिल परिसर में लगा बिजली ट्रांसफार्मर भी पोल सहित जमीन पर गिर पड़ा, जिससे आसपास के क्षेत्र की बिजली व्यवस्था प्रभावित हो गई। टीन शेड सड़क पर गिरने से कुछ समय के लिए नेशनल हाईवे पर यातायात बाधित रहा। स्थानीय लोगों और मिल कर्मचारियों की मदद से सड़क पर गिरे टीन शेड को हटाया गया, जिसके बाद आवागमन सामान्य हो सका। बारिश के कारण राइस मिल परिसर में रखा धान भी भीग गया, जिससे मिल संचालक को आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। सूचना मिलते ही बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर व विद्युत लाइनों का निरीक्षण ⏭शेष पेज 12 पर

मांग : सड़क बनीं, जमीन गई लेकिन किसानों को आज तक नहीं मिला न्याय

17 साल से मुआवजे और अभिलेख सुधार के लिए भटक रहे सुरसाबांधा के पीड़ित किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

राजिम क्षेत्र के सुरसाबांधा और आसपास के गांवों के किसानों की पीड़ा अब व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही है। 17 वर्ष पहले बनी सड़क के लिए जिन किसानों की जमीन अधिग्रहित हुई, उनके राजस्व अभिलेखों में सुधार नहीं हो पाया है। वर्षों से सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटते-काटते किसान थक चुके हैं, लेकिन उनकी समस्या जस की तस बनी हुई है। किसान सन्तूराम साहू, मनोहर साहू, जगतूराम ध्रुव, वसुचन्द साहू, कोमल साहू, पुनारद यादव, चमेली बाई, मीनाक्षी साहू, सरोज बाई, जानकी साहू का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान खेतों से जमीन निकल गई, रास्ता बन गया, वाहनों की आवाजाही भी शुरू हो गई, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में आज भी जमीन उनके नाम पर ही दर्ज है। इससे परेशानी झेलनी पड़ रही है। कहीं ऋण संबंधी दिक्कतें आ रही हैं तो कहीं भूमि रिकॉर्ड गड़बड़ी के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ प्रभावित हो रहा है। इन किसानों की उम्मीदें पिछले वर्ष 13 मई को उस समय जगी थीं, जब सुरसाबांधा गांव में जिला स्तरीय सुशासन शिविर लगा था। शिविर में जिला स्तर के अधिकारी मौजूद थे। तब अधिकारियों ने भरोसा दिलाया था कि जल्द ही अभिलेख सुधार कर दी जाएगी। लेकिन विडंबना यह रही कि उस आश्वासन को आज पूरा एक वर्ष बीत चुका है, फिर भी किसानो के रिकॉर्ड नही सुधरे और न ही ठोस कार्रवाई दिखाई दी। किसानों का आरोप है कि हर बार केवल आश्वासन मिलता है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं होती। अब एक बार फिर कल 18 मई को विष्णुदेव साय सरकार का सुशासन त्योहार सुरसाबांधा से लगे ग्राम भेंडरी में आयोजित होने जा रहा है। इस शिविर में ये दसो किसान अपनी वर्षों पुरानी समस्या को लेकर फिर से जिला प्रशासन उनकी पीड़ा को गंभीरता से सुनेगा और लंबित मामले का निराकरण करेगा। किसानों का कहना है कि यदि सड़क निर्माण के लिए उनकी जमीन ली गई है तो शासन को नियमानुसार राजस्व अभिलेखों में भी तत्काल सुधार होना चाहिए था।

18 मई को होने वाले शिविर पर टिकी निगाहें

एक बार फिर कल 18 मई को विष्णुदेव साय सरकार का सुशासन त्योहार सुरसाबांधा से लगे ग्राम भेंडरी में आयोजित होने जा रहा है। इस शिविर में ये दसो किसान अपनी वर्षों पुरानी समस्या को लेकर फिर से जिला प्रशासन के सामने गुहार लगाने पहुंचेंगे। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस बार उनकी पीड़ा को कितनी गंभीरता से लेता है।

टीकम चंद ने भी उठाई मांग

भाजपा के वरिष्ठ नेता टीकम चंद साहू ने भी विधायक रोहित साहू और जिला कलेक्टर श्री उइके से इस समस्या के त्वरित समाधान के लिए विशेष पहल करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि 17 सालों में भी अधिग्रहित कृषि भूमि का नक्शा खसरा और बटांकन न होना बड़ी चूक है। इसका समाधान जल्द होना चाहिए ताकि पीड़ित किसानों के परिवारों में आपसी बंटवारे या अन्य राजस्व परेशानियां दूर हो सकें और उन्हें राहत मिल सके।

सुहागिनों ने की वट वृक्ष की पूजा....

सुरसाबांधा। ग्राम सुरसाबांधा, श्यामनगर, तर्रा, कुरूसकेरा, लोहरसी सहित आसपास के सभी ग्रामो में मातृशक्तियों ने वटसावित्री व्रत रखकर श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ पूजा किया। सुहागिन महिलाओं ने विधि-विधान से वट वृक्ष की पूजा-अर्चना कर अपने पति की दीर्घायु, परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। पूजा के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए वट वृक्ष की परिक्रमा की और कथा श्रवण किया। इस अवसर पर ममता निर्मलकर, विनीता साहू, पूनम साहू, जमुना साहू, श्रद्धा देवदास एवं पुष्पलता यादव सहित गांव की महिलाएं बड़ी संख्या में व्रत एवं पूजा में भाग लिया।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में कांग्रेस ने दिया धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवापारा-राजिम

शनिवार को नवापारा में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नवापारा के तत्वावधान में केंद्र और राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एक विशाल धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर आयोजित इस प्रदर्शन में पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता ने भारी संख्या में भाग लेकर पेट्रोल-डीजल की बढ़ती दरों और बाजार में हो रही किल्लत पर अपना आक्रोश व्यक्त किया। नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष धनराज मध्यानी ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण आज देश में तेल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गई हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम कम होने के बावजूद सरकार टैक्स वसूलकर जनता की जेब काट रही है। डीजल की कीमतों में वृद्धि ने माल ढुलाई और खेती की लागत बढ़ा दी है, जिससे हर खाने-पीने की वस्तु महंगी हो गई है। आरोप लगाया कि कीमतों में वृद्धि के साथ-साथ कई क्षेत्रों में पेट्रोल-डीजल की कृत्रिम किल्लत पैदा की जा रही है। पेट्रोल पम्पो पर घंटों कतारें लग रही हैं, जिससे किसानों और परिवहन क्षेत्र को भारी ⏭शेष पेज 12 पर

पेट्रोल-डीजल की खुलेआम कालाबाजारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

- कलेक्टर के आदेश की उड़ रही धज्जियां , ड्रम-जेरीकेन में धड़ल्ले से बिक्री

जिले में पेट्रोल-डीजल संकट के बीच कलेक्टर बीएस उइके द्वारा जारी किए गए सख्त निर्देशों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। पेट्रोल पंप में जेरीकेन डिब्बे लेकर लाइन में लोग खड़े हुए हैं । एक ओर प्रशासन ने जमाखोरी और अव्यवस्था रोकने के लिए दोपहिया वाहनों को अधिकतम 300 रुपये और चारपहिया वाहनों को 1000 रुपये तक ही ईंधन देने तथा ड्रम, जेरीकेन और बोतलों में पेट्रोल-डीजल बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है वहीं दूसरी ओर कई पेट्रोल पंपों पर इन आदेशों की अनदेखी की जा रही है।

जानकारी के अनुसार जिले के कुछ पेट्रोल पंपों में नियमों को ताक पर रखकर ड्रम, जेरीकेन और प्लास्टिक की बोतलों में पेट्रोल-डीजल दिया जा रहा है। इससे न केवल कालाबाज़ारी और जमाखोरी को बढ़ावा मिल रहा है बल्कि आम उपभोक्ताओं को घंटों लाइन में लगने के बावजूद पर्याप्त ईंधन नहीं मिल पा रहा है।

कलेक्टर द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सामान्य होने तक सीमित मात्रा में ही ईंधन वितरित किया जाए और एम्बुलेंस सहित अन्य अत्यावश्यक सेवाओं के वाहनों को प्राथमिकता दी जाए। इसके बावजूद कई स्थानों पर इन निर्देशों का पालन नहीं होने से प्रशासनिक सख्ती पर सवाल उठने लगे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ पेट्रोल पंप संचालक प्रभावशाली लोगों और बिचौलियों को बड़ी मात्रा में ईंधन उपलब्ध करा रहे हैं जबकि आम नागरिकों को तय सीमा के भीतर भी पेट्रोल-डीजल पाने में परेशानी उठानी पड़ रही है। अब देखने वाली बात यह होगी कि कलेक्टर के स्पष्ट आदेशों के बावजूद ⏭शेष पेज 12 पर

रसेला और कुडेरादादर समिति में लाखों रुपए के ऋण का वितरण

किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण का वितरण शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित रसेला और कुडेरादादर में समिति के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के किसानों को समितियों द्वारा शून्य प्रतिशत ब्याज की दर पर फसल ऋण प्रदान किया जा रहा है। इसके तहत किसानों को अपनी आवश्यकतानुसार खाद और बीज समिति से उधार ऋण पर उपलब्ध कराएं जातें हैं। रसेला समिति के प्रबंधक पंकज कुमार यादव ने बताया कि समिति द्वारा अभी तक 51 किसानों को 20 लाख 92 हजार रुपए वितरण किया गया है, इस तरह समिति कुडेरादादर में 12 कृषकों को 5 लाख 23 हजार रुपए शुन्य ब्याज की दर से भुगतान किया गया है। समिति में अभी तक खाद की उपलब्धता इस प्रकार है, यूरिया 102 टन, सुपरफास्फेट 35 टन, डीएपी 27 टन, 20.20.13. 35 टन, नैनौ डीएपी 120 नग, कंसोटिया 50 नग,नैनौ यूरिया 264 नग और धान बीज में सिर्फ सरना 90 क्विंटल समिति में उपलब्ध है। कुडेरादादर समिति में यूरिया 6 टन और सुपर फास्फेट 8 टन उर्वरक भंडारित किया गया है।

संतुलित उर्वरक का उपयोग बेहद जरूरी- कृषि विशेषज्ञों के अनुसार केवल डीएपी पर निर्भर रहना न केवल जोखिम भरा है, बल्कि इससे मिट्टी का संतुलन भी बिगड़ सकता है। बेहतर फसल उत्पादन और मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए संतुलित उर्वरक का उपयोग बेहद जरूरी है। धान जैसी प्रमुख खरीफ फसल के लिए यूरिया, सुपर फास्फेट, पोटाश और एन.पी.के.जैसे उर्वरकों का सही मात्रा में प्रयोग करना लाभकारी साबित होता है। उप संचालक कृषि विभाग ने बताया कि डीएपी की एक बोरी के बराबर पोषक तत्व अन्य विकल्पों से भी प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि एक बोरी डीएपी के स्थान पर तीन बोरी एस.एस.पी.के साथ 20-25 किलो यूरिया,या 1.5 बोरी एन.पी.के.या दो बोरी अमोनियम ⏭शेष पेज 12 पर

खबर संक्षेप

136 वर्ष प्राचीन श्रीमद्भागवत महापुराण एवं हस्तलिखित पांडुलिपियों का दस्तावेजीकरण

रायपुर। ज्ञानभारत मिशन के अंतर्गत जिले में प्राचीन एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण एवं दस्तावेजीकरण का कार्य किया जा रहा है।इसके तहत जिले में विभिन्न ऐतिहासिक पाण्डुलिपियों का संग्रहण कर उन्हें ज्ञानभारतम पोर्टल में अपलोड किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम निनवा विकासखंड तिल्दा निवासी प्रसिद्ध भागवताचार्य पंडित नंदकुमार शर्मा से सनातन धर्म से जुड़ी अत्यंत दुर्लभ एवं ऐतिहासिक धार्मिक धरोहरों का अवलोकन किया गया। इस दौरान उनके निवास से लगभग 136 वर्ष प्राचीन श्रीमद्भागवत महापुराण सहित कई महत्वपूर्ण हस्तलिखित धार्मिक पांडुलिपियां प्राप्त हुईं। आचार्य पंडित नंदकुमार शर्मा द्वारा इन प्राचीन धरोहरों को वर्षों से अत्यंत श्रद्धा, सावधानी एवं समर्पण के साथ सुरक्षित संरक्षित कर रखा गया था। इनमें लगभग 100 वर्ष पूर्व लिखित हस्तलिखित भजन एवं फाग गीतों की पांडुलिपियां भी शामिल हैं, जो तत्कालीन धार्मिक, सांस्कृतिक एवं लोक परंपराओं की अमूल्य धरोहर मानी जा रही हैं।

पीएम सूर्यघर योजना की समीक्षा

रायपुर। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा शुक्रवार को ऑनलाइन वर्चुअल बैठक में की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन ने की। उन्होंने बैठक में विभिन्न बैंकों एवं संबंधित विभागों द्वारा योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। सभी बैंकों को निर्देशित किया गया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना अंतर्गत अधिक से अधिक सोर्स एप्लीकेशन प्राप्त करने के लिए सक्रिय प्रयास करें तथा हितग्राहियों से संपर्क बढ़ाते हुए योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। साथ ही बैंकों को सोर्स एप्लीकेशन में सेंक्शन की संख्या बढ़ाने हेतु लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने, आवश्यक दस्तावेजों की समय पर जांच करने एवं पात्र आवेदकों को त्वरित स्वीकृति प्रदान करने के निर्देश दिए।

शिविर में मौके पर बना ड्राइविंग लाइसेंस

रायपुर। सुशासन तिहार के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में अब मौके पर ड्राइविंग लाइसेंस भी बन रहे हैं। ब्लॉक आंरग अंतर्गत नगर पंचायत समोदा में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में रायपुर निवासी सुनील चेलक ने लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन दिया। इस आवेदन का तत्काल निराकरण किया। चेलक को 10 मिनट के भीतर लाइसेंस बनकर मिल गया।

सरोना में सामुदायिक भवन लोकार्पित

रायपुर। राजधानी रायपुर के जोन-8 अंतर्गत सरोना क्षेत्र में कई विकास कार्यों की सौगात दी गई है। महापौर मीनल चौबे एवं विधायक राजेश मूणत ने पुराना बाजार चौक में अधोसंरचना मद से नवनिर्मित सामुदायिक भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया, वहीं लगभग 70 लाख की लागत से बनने वाले सीसी रोड, नाली, पुलिया सहित अन्य विविध नए विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। के पार्षद अर्जुन यादव, मंडल अध्यक्ष विशेष शाह, जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल, कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित रहे।

समाधान शिविर : मुंगझर के सुशासन शिविर में मिले 902 आवेदन, अधिकांश का मौके पर निपटारा

जनहित के लिए प्रतिबद्ध है साय सरकार : गौरीशंकर कश्यप

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

छत्तीसगढ़ की जनता के समस्याओं का निराकरण कर उन तक शासन की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की दिशा में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश स्तर पर सुशासन तिहार के तहत सरकार जनता के द्वार पहुंचकर समस्याओं का निराकरण कर रही है। इस कड़ी में शुक्रवार को गरियाबंद जिले के अंतिम छोर देवभोग के मुंगझर में जिला स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान गरियाबंद जिला पंचायत के अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, पूर्व विधायक गोवर्धन मांझी, जिला पंचायत सदस्य नेहा सिंघल, गरियाबंद कलेक्टर भगवान सिंह उइके, जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर एवं अन्य जनप्रतिनिधि जिला स्तर के अधिकारी शामिल होकर लोगों की समस्याओ को सुना कई समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया। शिविर में मुंगझर एवं आसपास के 18 गांवों से बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे और अपनी समस्याएँ एवं मांगें प्रस्तुत कीं। शिविर के दौरान 902 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 857 मांग एवं 45 शिकायत से संबंधित थे। इनमें से अधिकांश आवेदनों का निराकरण स्थल पर ही किया गया। जिससे ग्रामीणों के चेहरे में उत्साह का माहौल था।

इस दौरान जिला पंचायत गरियाबंद अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप ने ग्रामीणों को संबोधित

गोदभराई, अन्नप्राशन और सामग्रियों का वितरण

जिला पंचायत सदस्य नेहा सिंघल ने कहा कि शासन प्रतिवर्ष शिविरों का आयोजन करता है ताकि गांव में शिविर लगाकर ब्लॉक एवं जिला स्तर के अधिकारी नागरिकों की समस्याओं का समाधान करते है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं की जानकारी मिलती है, जिससे लोगों को वास्तविक लाभ मिल रहा है। पूर्व विधायक गोवर्धन मांझी ने कहा कि जिले में सुशासन तिहार के कार्यक्रम निर्धारित स्थानों पर सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें योजनाओं का लाभ तत्काल उपलब्ध कराया जा रहा है। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा दो गर्भवती महिलाओं की गोदभराई तथा शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया गया। मत्स्य विभाग द्वारा हितग्राहियों को जाल वितरित किए गए। समाज कल्याण विभाग द्वारा दो दिव्यांगों को ट्रायसायकल वितरित किया गया। इसके साथ ही राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड का वितरण भी किया गया। सुशासन तिहार के माध्यम से अधिकारियों ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं की जानकारी ग्रामीणों को दी। इस अवसर पर कलेक्टर बीएस उइके, जिला पंचायत के सीईओ श्री प्रखर चंद्राकर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार सुशासन के प्रति प्रतिबद्ध है। पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रदेशभर में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने पीएम आवास, राशन कार्ड, महतारी वंदन, आयुष्मान कार्ड जैसे तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि शासन का उद्देश्य है कि हर नागरिक तक लाभ आसानी से पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि अपनी समस्याएँ और मांगें सीधे विभागीय अधिकारियों के समक्ष रखें ताकि त्वरित निराकरण सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार शिविरों के आयोजन से ग्रामीण क्षेत्रों में शासन-प्रशासन पहुंच रहे है। समस्याओं को मौके पर ही सुनकर उसका निराकरण और लाभान्वित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को भटकने की आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र के कुछ नागरिक ओडिसा में कई वर्ष तक रहने पर उनका नाम आवास सूची में नहीं आने एवं राशन कार्ड नहीं मिल पाने के कारण जब वो अपने घर पहुंचे और अपनी समस्याओं के बारे में प्रशासन को बताया तब उनका नाम आवास सूची में जुड़ने की कार्यवाही की जा रही है। साथ ही आज शिविर के माध्यम से उन्हें राशन कार्ड भी उपलब्ध कराया गया।

शनिदेव हमें सत्य, मेहनत ईमानदारी व धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं : इंद्रजीत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोपरा

ग्राम लोहरसी में भगवान शनिदेव महाराज की जयंती श्रद्धा, उत्साह और भक्तिमय वातावरण के साथ धूमधाम से मनाई गई। सुबह से ही गांव में धार्मिक माहौल बना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत भव्य कलश यात्रा से हुई, जिसमें महिलाएं एवं श्रद्धालु सिर पर कलश धारण कर गांव की गलियों से जयकारों के साथ निकले। पूरे गांव में भक्ति गीतों और जय शनिदेव के उद्घोष से माहौल भक्तिमय हो उठा। इसके पश्चात विधि-विधान से हवन-पूजन एवं विशेष आरती का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान शनिदेव से सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। आयोजन के दौरान विशाल भोग-भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें गांव सहित आसपास के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम में गांव के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया। संध्या आरती एवं प्रसादी वितरण के बाद श्रद्धालु अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। गांव में पूरे दिन धार्मिक उत्साह और आस्था का माहौल देखने को मिला। जयंती कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंद्रजीत महाडिक ने भगवान शनिदेव महाराज की जयंती पर अपने उद्बोधन में कहा कि भगवान शनिदेव न्याय के देवता हैं।

ये रहे शामिल

इंद्रजीत महाडिक ने सभी श्रद्धालुओं से समाज में प्रेम, सहयोग और सद्भाव बनाए रखने का संदेश देते हुए भगवान शनिदेव से गांव व क्षेत्र के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस दौरान, इंद्रजीत महाडिक जिला पंचायत सदस्य, पूर्व पंचायत इंस्पेक्टर नूतन साहू, भाजपा मंडल अध्यक्ष कोपरा गोपी ध्रुव, माधो यादव, कोमल पटेल, नन्द कुमार साहू, चेतन यादव, कृष्णनू पटेल, कोमल ठाकुर, टीकू ध्रुव, लालू यादव, दूजलाल यादव, यमुना निषाद, अशोक निषाद, संतोष पटेल, हरीश यादव, खिलेश्वर साहू, नंदकुमार साहू, गिरवर यादव, रिपुसुधन निर्मलकर, सुशील साहू, हर्षवर्धन साहू, लक्की सोनकर, मनीष साहू, जनक साहू, बुधारू सेन, पुरानीक साहू, कमलेश कौशिक, मुकेश सेन, गुमान साहू, दीनदयाल टंडन, गिरधर साहू खेमचंद यादव, सहित महिलाएं और छोटे बच्चे व बड़े बुजुर्ग मौजूद रहे।

काम के लिए बीजापुर गया पदुलोचन आज तक नहीं लौटा, सरकारी रिकॉर्ड के फेर में फंसा परिवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

11 साल से अपने परिवार के मुखिया का इंतजार कर रहा यह परिवार को आस है कि एक दिन उनके परिवार का मुखिया पदुलोचन कश्यप जरूर घर आएगा और पहले के जैसे उनका परिवार में खुशियां से घर रौनक हो जाएगा इस आस में पूरा परिवार आस लागकर टकटकी लगाए बैठे हैं। 11 साल पहले पदुलोचन कश्यप परिवार चलाने के लिए तेंदूपत्ता कम्पनी में काम करने नक्सल प्रभावित क्षेत्र बीजापुर गया हुआ था जो आज तक नहीं लौटा। गरियाबंद जिले के देवभोग ब्लॉक के सितलीजोर गांव के 45 वर्षीय पदुलोचन कश्यप आज से 11 साल पहले अपने परिवार के भरण पोषण के लिए तेंदूपत्ता कम्पनी में काम करने नक्सल प्रभावित क्षेत्र के नाम से प्रसिद्ध बीजापुर जिला गया हुआ था इसके बाद अब तक वह घर नहीं लौटा। परिजनों ने 11 साल पहले 15 दिनों के बाद पदुलोचन जब घर नहीं लौटा तो तुरंत बीजापुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखाई लेकिन आज पर्यंत तक पदुलोचन कश्यप घर नहीं लौट पाया। पत्नी निलेन्द्री कश्यप, पुत्र डिंगर कश्यप, बेटी करिश्मा कश्यप को अब भी आस है कि उनके परिवार के मुखिया एक न एक दिन जरूर घर लौटेंगे। इधर राजस्व रिकॉर्ड में पति का नाम होने से पत्नी को शासकीय कार्य के कई योजनाओं से वंचित होना पड़ रहा है ना तो वह समर्थन मूल्य में धान बेच पा रही है और ना खाद एवं बीज उसे मिल पा रहा है।

जनक ध्रुव ने की मदद की मांग- बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक जनक ध्रुव ने कहा की इस मामले की जानकारी मिडिया के माध्यम से मुझे हुई है। मै उनके परिजनों से जल्द मुलाकात करूंगा साथ ही विधायक जनक ध्रुव ने गरियाबंद कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं राज्य सरकार से मांग किया है कि परिवार के मुखिया को ढुंढने में परिजनों का सहयोग किया जाए। सरपंच प्रतिनिधि मनोज सोनवानी ने कहा परिवार का मुखिया 11 साल से लापता है पंचायत के माध्यम से भी खोज खबर किया जा रहा है पंचायत स्तर के योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है।

मुंगझर शिविर में कलेक्टर और पूर्व संसदीय सचिव के बीच तीखी बहस

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

गरियाबंद जिले में आयोजित हो रहे सुशासन तिहार के दौरान अफसरों और जनप्रतिनिधियों के बीच लगातार तकरार देखने को मिल रहा है जिसको लेकर अब पूरे जिले में तरह-तरह की चर्चाएं सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से देखने और सुनने को मिल रही है, शुक्रवार को एक बार फिर देवभोग के मुगझर में आयोजित सुशासन तिहार में पूर्व संसदीय सचिव भाजपा के वरिष्ठ नेता गोवर्धन मांझी और कलेक्टर भगवान सिंह उइके के बीच तीखी जुबानी जंग देखने को मिली। जनता की पैरवी करते हुए पूर्व संसदीय सचिव गोवर्धन मांझी ने मंच से ही प्रशासनिक कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि शिविर में आने वाले अधिकांश लोक-कल्याणकारी आवेदनों को न्यायालयीन प्रक्रिया के अधीन बताकर ठंडे बस्ते में डाल

दिया जाता है। मांझी ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अधिकारी इस तरह के तकनीकी बहाने बनाकर अपनी मूल जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हट सकते। मांझी ने प्रशासनिक कसावट को बेहतर करने की नसीहत देते हुए रायपुर के पूर्व कलेक्टर एम. के. राउत का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि फील्ड पर मौजूद अधिकारियों को जनता की समस्याओं का त्वरित और संवेदनशील निराकरण करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों के शिविर में देरी से पहुंचने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जब तक जिम्मेदार लोग समय पर नहीं आएंगे, तब तक सुशासन की परिकल्पना अधूरी है। ज्ञात हो कि इससे पहले 7 मार्च को अमलिपदर के शिविर में भी मांझी ने कलेक्टर पर समन्वय की कमी के आरोप लगाए थे।

कलेक्टर ने कानूनी और तकनीकी पक्षों को रखा सामने- दूसरी तरफ, मंच से लगे इन आरोपों का खंडन करते हुए कलेक्टर ने नियमों का हवाला देते हुए दो टूक शब्दों में कहा कि कई मामले वास्तव में राजस्व न्यायालय या अन्य कानूनी प्रक्रियाओं के अधीन होते हैं, जिन्हें बिना उचित कानूनी प्रक्रिया के सीधे तौर पर सुलझाना प्रशासनिक और संवैधानिक रूप से संभव नहीं होता। उन्होंने पूर्व संसदीय सचिव के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों को भी प्रशासनिक सीमाओं और कानूनी प्रक्रियाओं की पूरी जानकारी होनी चाहिए।

जनगणना प्रगणक का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवापारा-राजिम

पूर्व सांसद प्रतिनिधि सतीश पारख के मेडम चौक निवास में जनगणना प्रगणक पुरुषोत्तम साहू घर पहुंचे,जहाँ पर बड़े सौहार्दपूर्ण वातावरण में प्रगणक के समस्त जवाबों का सहजता से उत्तर देते हुए जनगणना का कार्य मात्र 3 मिनट के भीतर पूरा किया गया। उन्हें ठंडा पानी व शरबत पिलाकर धन्यवाद ज्ञापित किया। जनगणना कार्य में सतीश पारख की धर्मपत्नी रेखा ने भी पूरा सहयोग किया। श्री पारख ने कहा कि घर आये हुए किसी भी व्यक्ति को शीतल जल पिलाना हमारा धर्म है। जनगणना प्रगणक पुरुषोत्तम साहू भी संतुष्ट हुए।

एंबुलेंस से गांजा तस्करी का मुख्य सप्लायर ओडिशा से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

एंबुलेंस से गांजा तस्करी किए जाने के 2 माह पुराने मामले में पुलिस ने गांजा तस्करी के मुख्य नेटवर्क का भांडाफोड़ करते हुए ओड़ीशा से मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जिला पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स से मिली जानकारी के अनुसार पकड़े गए आरोपी का नाम सुशांता मुखी 34 वर्ष है, जो ओडिशा के बौद्ध जिले का रहने वाला है। 28 मार्च 2026 को जिले की खल्लारी पुलिस को सूचना मिली थी कि एक बोलेरो एंबुलेंस में अवैध रूप से गांजे की तस्करी की जा रही है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए खल्लारी के चरौदा मोड़ के पास नाकाबंदी की। चेकिंग के दौरान पुलिस ने एम्बुलेंस से 20 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया, जिसकी कीमत करीब 10 लाख रुपए आंकी गई थी। पुलिस ने मौके से गांजा परिवहन कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था जिसमें सलमान खान 26 वर्ष निवासी नागपुर, महाराष्ट्र, शिराज पठान (39 वर्ष) निवासी नागपुर, महाराष्ट्र शामिल रहे। पुलिस ने इन तस्करों से गांजे के साथ-साथ तस्करी में इस्तेमाल हो रही एंबुलेंस भी जब्त की थी। कुल जब्त संपत्ति की कीमत 15 लाख 16 हजार 800 रुपए थी। इस मामले में पुलिस ने खल्लारी थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत अपराध दर्ज किया था। जेल में बंद दोनों परिवहनकर्ताओं से कड़ाई से हुई पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया कि यह गांजा उन्हें ओडिशा के सुशांता मुखी ने उपलब्ध कराया था। इसके बाद महासमुंद पुलिस ने मामले की गहराई से जांच (एंड-टू-एंड और फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन) शुरू की। मोबाइल लोकेशन और तकनीकी विश्लेषण (कॉल रिकॉर्ड्स) के आधार पर पुलिस की टीम ने ओडिशा के संबलपुर जिले के ग्राम धामा में घेराबंदी की और मुख्य सप्लायर सुशांता मुखी को धर दबोचा।

पेज 11 के शेष...

जिले में आंधी-बारिश...

कर सुधार कार्य शुरू किया।

बिजली आपूर्ति बाधित रही- तेज आंधी और बारिश का असर शहर के अन्य हिस्सों में भी देखने को मिला। कई जगह पेड़ों की शाखाएं टूटकर सड़कों पर गिर गईं, जिससे आवाजाही प्रभावित हुई और कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति भी बाधित रही।

मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी तेज हवा और बारिश की संभावना जताई है। ऐसे में प्रशासन ने नागरिकों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से बाहर नहीं निकलने की अपील की है।

पेट्रोल-डीजल की...

नुकसान हो रहा है। कांग्रेस ने मांग की है कि सरकार तुरंत कीमतों को कम करे और ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करें। धरना प्रदर्शन के दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामा यादव, रमेश तिवारी, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष धनराज मध्यानी, नपा के पूर्व उपाध्यक्ष जीतसिंग, जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सौरभ शर्मा, चतुर जगत, पार्षद अजय साहू, हेमंत साहनी, अर्जुन साहू, टिकेश्वर गिलहरे, दीपाली राजपूत, आशीष दीवान, निर्माण यादव, मंगराज सोनकर, राजा चावला, सुरेन्द्र साहू, सुनील जैन, बल्लू देवांगन, रूखमणी साहू, भोला साहू, दाऊराम साहू, शंकर साहू, मितेश शाह, अभिजीत श्रीवास, पूणार्नंद साहू ,राकेश सोनकर, नंदू टंडन, जितेंद्र कोसरे, निगम पटेल, शेखर साहू, बीरबल राजपूत, विजय तारक, मानसिंग ध्रुव, महेश साहू, असफाक लखानी, श्यामू, विश्वकर्मा, बजरंगी कंसारी, अजय गाड़ा, अतुल ठाकुर, विक्की साहू, अनूप खरे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन शामिल थे।

पेट्रोल-डीजल की...

नियमों का उल्लंघन करने वाले पेट्रोल पंप संचालकों पर प्रशासन कब और कैसी कार्रवाई करता है। फिलहाल, पेट्रोल-डीजल संकट के बीच आदेशों की यह अनदेखी आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ा रही है।

किसानों को शून्य...

फास्फेट सल्फेट का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा 1 बोरी टी.एस.पी. के साथ 2 बोतल नैनौ यूरिया 500 मि.ली.और 2 बोतल नैनौ डीएपी 500 मि.ली.भी प्रभावी विकल्प है। हर साल खरीब और रबी सीजन के लिए ऋण वितरित किया जाता है। समय पर ऋण चुकाने पर किसानों को ब्याज में राहत मिलती है, लेकिन देरी होने पर ब्याज लागू हो जाता है।

खुद ई-रिक्शा चलाकर घर-घर कचरा समेट रही हैं स्वच्छता दीदियां

स्वच्छता दीदियां लिख रहीं स्वच्छता की नई कहानी

नवापारा-राजिम। नगरपालिका क्षेत्र नवापारा में इन दिनों सुबह की शुरूआत एक प्रेरणादायी दृश्य के साथ हो रही है। शहर की गलियों, मोहल्लों और सड़कों पर स्वच्छता दीदियां खुद रिक्शा चलाते हुए घर-घर पहुंच रही हैं। वे एक-एक घर से कचरा एकत्र कर उसे मणिकंचन केंद्र तक पहुंचा रही हैं। इनके इस सतत प्रयास का असर अब पूरे शहर में साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। जहां पहले जगह-जगह कचरे के ढेर और गंदगी नजर आती थी, वहीं अब शहर तेजी से स्वच्छ और व्यवस्थित होता दिख रहा है। सुबह होते ही स्वच्छता दीदियां हाथों में दस्ताने, चेहरे पर आत्मविश्वास और जिम्मेदारी का भाव लेकर अपने काम में जुट जाती हैं। वे बिना किसी झिझक के रिक्शा चलाते हुए तंग गलियों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों तक पहुंचती हैं। हर घर के सामने रुककर कचरा संग्रहण करना और फिर उसे निर्धारित स्थान तक पहुंचाना अब उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। इस मेहनत और समर्पण ने शहर की सफाई व्यवस्था को नई गति दे दी है। एक समय ऐसा था जब महिलाएं घर की चौखट पार करने में संकोच महसूस करती थी। समाज की परंपरागत सोच और सीमित अवसरों के कारण महिलाएं सार्वजनिक कार्यों से दूर रहती थीं। लेकिन बदलते समय के साथ अब तस्वीर पूरी तरह बदल रही है। नवापारा में स्वच्छता दीदियां न केवल घर से बाहर निकल रही हैं, बल्कि आत्मविश्वास के साथ शहर की सड़कों पर रिक्शा चलाते हुए अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं। यह दृश्य महिलाओं की बढ़ती आत्मनिर्भरता और बदलती सामाजिक सोच का प्रतीक बन गया है।

ई-रिक्शा से बढ़ रहा दीदियों का हौसला- ओमकुमारी-संजय साहू, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद नवापारा ने कहा की ई रिक्शा में दीदी काम कर रही दीदीयों के हौसले बढ़ाए जा रहे हैं। शहर दिन ब दिन सुंदर और स्वच्छ दिखाई दे रहा है।

पालिका प्रशासन का मिल रहा पूरा सहयोग- लवकेश पैकरा सीएमओ, नगर पालिका परिषद नवापारा ने कहा की स्वच्छता दीदी बहुत ही निष्ठापूर्वक ईमानदारी के साथ काम कर रही है। ई रिक्शा चलाती है एक एक घरों से कचरा उठाती है नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में पालिका प्रशासन लगा हुआ है।

संकोच छोड़ थामा रिक्शा, बनीं आत्मनिर्भरता का प्रतीक

इन स्वच्छता दीदियों का कहना है कि शुरू-शुरू में उन्हें थोड़ा संकोच जरूर हुआ, लेकिन अब वे गर्व के साथ अपना कार्य कर रही हैं। उन्हें यह एहसास है कि वे केवल कचरा नहीं उठा रहीं, बल्कि शहर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कई दीदियां ऐसी भी हैं जिन्होंने पहले कभी रिक्शा नहीं चलाया था, लेकिन प्रशिक्षण और हौसले के बल पर आज वे पूरे आत्मविश्वास के साथ यह जिम्मेदारी संभाल रही हैं। नगरपालिका की डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था से शहरवासियों को भी बड़ी राहत मिली है। अब लोगों को कचरा इधर-उधर फेंकने की आवश्यकता नहीं पड़ती। घरों से नियमित रूप से कचरा उठने के कारण सड़कों और नालियों में गंदगी कम हुई है। इससे वातावरण भी स्वच्छ हो रहा है और लोगों में सफाई के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। मणिकंचन केंद्र तक कचरा पहुंचाने के बाद वहां गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण किया जाता है। इससे कचरे के बेहतर प्रबंधन के साथ-

खबर संक्षेप

पीएम मोदी पूरी ईमानदारी से अपना राष्ट्र धर्म निभा रहे : चंदूलाल साहू

राजिम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से की गई 7 सूत्रीय अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए छग स्टेट वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन के अध्यक्ष चंदूलाल साहू ने कहा कि संकट आने के पूर्व उसे पहचानकर उससे निपटने का रास्ता खोज लेने को ही समझदारी कहा जाता है और

यही देश व देशवासियों के हित में मोदी जी कर रहे हैं। मोदी जी देश के प्रधानमंत्री हैं और इस नाते, आने वाले संकट से देशवासियों को बचाने वे पूरी ईमानदारी से अपना राष्ट्र धर्म निभा रहे हैं, जिसमें देशवासियों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है । एक तरफ मोदी जी देशवासियों से सहयोग मांग रहे हैं तो दूसरी ओर आने वाले संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकने वाले देशों का दौरा कर रणनीतिक व व्यापारिक साझेदारी बढ़ा रहे हैं । आने वाले संकटकाल में निश्चित तौर पर इसका सकारात्मक प्रभाव देशवासियों के पक्ष में दिखाई देगा। श्री साहू ने कहा कि मोदी जी ने देशवासियों से 7 सूत्रीय सिर्फ अपील की है, कोई कानून नहीं बनाया है या देशवासियों पर दबाव नहीं डाल रहे हैं।

केंद्र-राज्य सरकार किसानों का भला करने का सोचें : धनेंद्र साहू

नवापारा-राजिम। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष धनेंद्र साहू ने धान के समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार की नीतियों पर तीखा सवाल उठाते हुए कहा है कि प्रदेश के किसानों को केवल घोषणाओं, आंकड़ों और प्रचार के माध्यम से भ्रमित किया जा रहा है। किसानों की वास्तविक

समस्याओं और बढ़ती लागत की अवहेलना कर सरकार केवल राजनैतिक लाभ लेने में जुटी हुई है। केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए धान के एमएसपी में मात्र 72 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि करना किसानों के साथ अन्याय है। आज खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। खाद-बीज, डीजल, मजदूरी, सिंचाई एवं कषि यंत्रों के खर्च में भारी वृद्धि हो चुकी है। ऐसे समय में इतना मामूली बढ़ोतरी उचित नही है। कहा कि हमारी कांग्रेस की सरकार ने 2500 रू. क्विंटल के अतिरिक्त जब जब समर्थन मूल्य बढ़ा तब तब समर्थन मूल्य की राशि जोड़ किसानों को भुगतान किया गया। भाजपा सरकार के द्वारा 31 सौ रूपया देने की जो घोषणा है।

केंद्र सरकार के गलत नीतियों के कारण पेट्रोल-डीजल की संकट : गेंदु यादव

मैनपुर। केन्द्र के भाजपा सरकार के गलत नीतियों के कारण पूरे प्रदेश

और देश में जनता पेट्रोल डीजल रसोई गैस की संकट से जुझ रहे है। उक्त बाते ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री गेंदु यादव ने कहा की देश की जनता मंहगाई की मार से परेशान हो गई है। लेकिन इससे राज्य व केन्द्र के भाजपा सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता। आज गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार का जीना मुहाल हो गया ।

आम सूचना

दिनांक- 15/05/2026

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं दीपेश कुमार देवांगन उम्र 40 वर्ष पिता श्री छबि राम देवांगन निवासी - बजरंग चौंक के बाजु, ग्राम पारागांव पोस्ट नवागांव तहसील गोबरा नवापारा जिला रायपुर छ.ग. पिन नं. 493885 आधार नं.- 8713 7778 0789 का हूं। यह कि कार्यालय रजिस्ट्रार जन्म-मृत्यु नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा मेरे पुत्र तेजस देवांगन का जन्म प्रमाण पत्र जारी किया गया है। जिसका पंजीकरण संख्या B-2020:22- 90434-011553 है। उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का नाम विराज देवांगन (VIRAJ DEWANGAN) दर्ज है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा जारी मेरे पुत्र के आधार कार्ड क्रमांक 5690 2151 2949 में भी उसका नाम विराज देवांगन (VIRAJ DEWANGAN) दर्ज है। मैं मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड सहित अन्य समस्त दस्तावेजों में उसका नाम परिवर्तित कर विराज देवांगन (VIRAJ DEWANGAN) के स्थान पर TEJAS DEWANGAN दर्ज कर मान्य मान्य किया जावे।

सो सूचना जाने।

दिनांक - 15/05/2026

दीपेश कुमार देवांगन
पिता श्री छबि राम देवांगन
निवासी- बजरंग चौंक के बाजु, ग्राम पारागांव पोस्ट नवागांव, तहसील गोबरा नवापारा जिला रायपुर छ.ग.
पिन नं. 493885
आधार नं.- 871377780789

हर खेत तक पहुंचेगी केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी सरकारी योजना : रोमन ठाकुर

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

हरदी में लगा विकसित कृषि संकल्प अभियान का कैंप

जनपद पंचायत छुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत हरदी में बुधवार को केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत विशेष किसान जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। प्रयोगशाला से लेकर खेत तक के संकल्प के साथ पहुंची कृषि विभाग की टीम ने गाँव-गाँव जाकर किसानों को उन्नत तकनीक से रूबरू कराया। कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी रोमन ठाकुर के नेतृत्व में सभी विभागीय की टीम ने खरीफ सीजन की तैयारी, उन्नत बीज किस्मों, ड्रोन तकनीक एवं नैनो यूरिया के प्रयोग की विस्तृत जानकारी दी। जैविक खेती पर विशेष जोर ग्रामीण कृषि विकास विस्तार अधिकारी रोमन ठाकुर ने किसानों से रासायनिक यूरिया-डीएपी का अंधाधुंध उपयोग कम कर गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट, जीवामृत एवं नैनो यूरिया को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा की जैविक खेती से न केवल मिट्टी की उर्वरा शक्ति दीर्घकाल तक बनी रहेगी, बल्कि खेती की लागत भी 30 प्रतिशत तक कम होगी। इससे किसान की शुद्ध आय बढ़ेगी और जमीन भी बचेगी। कार्यक्रम में पशुपालन विभाग द्वारा उन्नत नस्ल के पशुओं, नियमित टीकाकरण एवं डेयरी उद्यमिता योजना की जानकारी दी गई। वहीं मत्स्य पालन विभाग के अधिकारियों ने तालाब निर्माण, केज कल्चर तकनीक एवं प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत मिलने वाले अनुदान की प्रक्रिया समझाई। शिविर में जनपद सदस्य सुखबती टांडे, सरपंच, उपसरपंच रुपनाथ बंजारे, ग्राम पटेल, ग्राम कोटवार सहित अधिक से अधिक किसान, महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य एवं युवाओं ने भाग लिया। किसानों ने मिट्टी परीक्षण, बीज उपचार एवं जैविक खेती से जुड़े सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने खेत पर ही व्यावहारिक समाधान किया। महिला समूह की सदस्यों को कृषि विशेषज्ञों द्वारा जीवामृत बनाने की विधि का लाइव प्रशिक्षण भी दिया गया।

पहली बार सरकार खुद चलकर किसान के खेत तक आई

वरिष्ठ ग्रामीण कृषि विकास विस्तार अधिकारी रोमन ठाकुर ने कहा की विकसित कृषि संकल्प अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि सरकार की हर योजना का लाभ अंतिम छोर के किसान तक पहुंचे। हमारा संकल्प है कि हर खेत की मिट्टी जांच हो, हर किसान को नई तकनीक मिले और रासायनिक खाद पर निर्भरता घटाकर जैविक खेती को पुनः धरातल पर विकसित किया जाए। हरदी से शुरुआत हुई है, पूरे छुरा ब्लॉक को चरणबद्ध तरीके से कवर करेंगे। जनपद सदस्य सुखबती ने बताया जैविक हरित क्रांति खेती अब लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए विभाग के अधिकारी आपके गांव चल कर आकर बता रहे हैं और आवश्यकता अनुसार सभी सामग्रियों का समय मे प्रदान किया जा रहा है। उपसरपंच रुपनाथ बंजारे ने कहा की पहली बार हमने देखा कि सरकार खुद चलकर किसान के खेत तक आ रहे है। ड्रोन तकनीक और नैनो यूरिया का प्रदर्शन अब युवाओं में खेती के प्रति नया उत्साह जगा है। ग्राम पंचायत हरदी जल्द ही जैविक खेती बनाने की दिशा में काम शुरू करेगी। कार्यक्रम में कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री गोद ग्राम केडीआमा पहुंचे विधायक ने चौपाल पर सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

जनता का स्नेह और विश्वास मेरी सबसे बड़ी ताकत : रोहित साहू

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुरसाबांधा/राजिम

राजिम विधानसभा क्षेत्र के ऐतिहासिक मुख्यमंत्री गोद ग्राम केडीआमा (रमनपुर) में शनिवार को उस समय उत्साह और उमंग का माहौल बन गया, जब क्षेत्रीय विधायक रोहित साहू का काफिला भीषण गर्मी और तपती दोपहरी के बीच गांव पहुंचा। तेज धूप के बावजूद ग्रामीणों का उत्साह चरम पर था। गांव के मुख्य मार्ग से लेकर चौपाल तक ढोल-नगाड़ों, बाजे-गाजे और फूलमालाओं के साथ विधायक का आत्मीय व भव्य स्वागत किया गया। जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए गए थे और ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व विधायक रोहित साहू के जिंदाबाद के नारे लगाए। गौरतलब है कि यह वही ग्राम है जिसे करीब 20 वर्ष पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने गोद लिया था। उस समय गांव को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई थी। अब विधायक रोहित साहू उसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए गांव को फिर से विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए सक्रिय पहल कर रहे हैं। सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार से लेकर विधायक लगातार शासन स्तर पर प्रयासरत हैं।

ग्रामीणों को मिला त्वरित समाधान का भरोसा- विधायक रोहित साहू ने कहा कि केडीआमा केवल एक गाँव नहीं बल्कि क्षेत्र की पहचान और गौरव है। उन्होंने कहा कि डॉ रमन सिंह के कार्यकाल में यह गांव विकसित हुआ। मुख्यमंत्री गोद ग्राम होने के कारण इस गाँव का ऐतिहासिक महत्व है और इसे विकास के मॉडल के रूप में स्थापित करना एवं पर्यटन स्थल से जोड़ना उनकी प्राथमिकता है। विधायक श्री साहू ने सिद्धेश्वरी माता मंदिर विद्युतीकरण विस्तार तथा हाई मास्क लाईट लगाने की घोषणा भी की। विष्णुदेव साय सरकार के सुशासन की हरेक जनकल्याणकारी योजनाओं को बताते हुए लाभ उठाने की अपील किया। कहा कि ये सभी योजनाएं अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचे अधिकारी वर्ग यह जरूर ध्यान रखें और हर पात्र व्यक्तियों को इसका लाभ मिले। कहा कि इस गाँव तक विकास की हर योजना पहुँचे, इसके लिए वे पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। विधायक श्री साहू ने अपने उदबोधन में कहा कि जनता का स्नेह और विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। गांव-गांव तक विकास पहुंचाना और अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ दिलाना हमारा संकल्प है। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएँ भी सुनीं और कई आवश्यक कार्यों के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करने का भरोसा दिलाया। ग्रामीणों ने भी गांव में अधूरे विकास कार्यों, सड़क मरम्मत, पेयजल व्यवस्था और सामुदायिक सुविधाओं के विस्तार की मांग विधायक के समक्ष रखी।

ये रहे शामिल

विधायक श्री साहू ने सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रूपए की स्वीकृति दी। पूरे कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों में भारी उत्साह देखने को मिला। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने विधायक का स्वागत कर यह संदेश दिया कि क्षेत्र की जनता विकास को लेकर जागरूक है और अपने जनप्रतिनिधि से बड़ी अपेक्षाएँ रखती है। विधायक रोहित साहू के इस दौरे को क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। स्वागत करने वालों में सरपंच योगेश ध्रुव ,संदीप पांडे,उपसरपंच लता-मूलचंद साहू, ऊर्मिला ध्रुव, गौकरण मानिकपुरी, रेवती भुंजिया, राजकुमार यादव, शत्रुघ्न भुंजिया, ग्रामीण अध्यक्ष दीनदयाल विश्वकर्मा, रामेश्वर ध्रुव, भानुप्रताप निषाद, दुर्गेश ध्रुव, रामजी ध्रुव, दशरथ विश्वकर्मा, दिलीप ध्रुव, बहुरसिंग ध्रुव, सुरेश पटेल, चतुर ध्रुव, रामनाथ साहू, भुवन वर्मा शामिल थे। कार्यक्रम में विशेष रूप से क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य शिवांगी चतुर्वेदी, इंद्रजीत महाड़िक,जनपद अध्यक्ष मीरा ठाकुर, जनपद सदस्य अवध राम,पंकज निर्मलकर,युवराज साहू, मंडल अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, दीपक साहू,प्रिंस शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

जल, जंगल, जमीन और पर्यावरण बचेगा तो जीवन बचेगा : तेजराम

हरिभूमि न्यूज ⏭ फिंगेश्वर

गरियाबंद जिला अंतर्गत फिंगेश्वर ब्लॉक के पोलकर्रा ग्राम में 15 मई को बाबा महेन्द्र सिंह टिकैत जी के 15 वीं पुण्यतिथि को जल, जंगल, जमीन एवं पर्यावरण बचाओ संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम के वरिष्ठ नागरिक घासीराम साहू ने किया. इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन छत्तीसगढ़ के प्रदेश महासचिव तेजराम विद्रोही, गरियाबंद जिला महासचिव योगेंद्र साहू, जिला संगठन मंत्री ललित साहू, फिंगेश्वर ब्लॉक अध्यक्ष रेखराम साहू, सदस्यगन कोमन ध्रुव भूनूराम साहू, मनोज कुमार, रोमश कुमार, कुलेश्वर, बिन्दकुमार, देशराम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए तेजराम विद्रोही ने कहा कि किसान सीधे प्रकृति से जुडा हुआ है, औद्योगिक विकास के लिए बड़े पैमाने पर किये जा रहे पेड़ों की कटाई और खनिजो की उत्तखनन ने प्र—ति के साथ गंभीर छेड़छाड़ किया है जिससे प्रकृति अपना संतुलन खो रहा है और दुष्परिणाम के रूप में वर्षा ऋतु में बरसात की कमी या अतिवर्षा,ठंड व गर्मी के समय बरसात जैसे हालत बन गए हैं जिसका सबसे ज्यादा खामियाजा किसानों को फसल नुकसान के रूप में भुगतना पड़ता है।किसान कितने गंभीर और कठिन परिस्थितियों में फसल उत्पादन करते हैं इसकी समझ सरकार को नहीं है जिसके कारण किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है फिर भी उनके फसल का वाजिब लाभाकरी दाम नहीं मिल पाता।

किसानों की समस्याओं का समाधान संगठित होकर आंदोलन के माध्यम से ही निकल सकता है। खेती और जीवन को बचाने के लिए अपने फसल की सही दाम पाने के संघर्षो के साथ-साथ जल,जंगल,जमीन और पर्यावरण बचाने के संघर्ष में हमें एकजुट होना होगा।

पति की दीर्घायु के लिए महिलाओं ने रखा वट सावित्री का व्रत

हरिभूमि न्यूज ⏭ पाटसिवनी (पिपरहट्टा)

पाटसिवनी में वट सावित्री व्रत के अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए श्रद्धा एवं भक्ति के साथ वट वृक्ष के नीचे पूजा-अर्चना की। इस पावन अवसर पर महिलाओं ने निर्जला उपवास रखते हुए पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा संपन्न की। ऐसी मान्यता है कि वट पेड़ के नीचे सावित्री, सत्यवान और यमराज की पूजा करने से पति की आयु लंबी होती है और संतान सुख प्राप्त होता है। मान्यता यह भी है कि इसी दिन सावित्री ने यमराज के चुंगल से अपने पति सत्यवान के प्राणों की रक्षा की थी। महिलाओं ने विधि विधान से वट वृक्ष की परिक्रमा की, रक्षासूत्र बांधा और अपने पति की लंबी उम्र की कामना की। पूजा के उपरांत सुहागिनों ने घर जाकर अपने पतियों से आशीर्वाद प्राप्त किया।इस दौरान वट सावित्री की पूजा-अर्चना के लिए बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाओं की भीड़ जुटी थी।

सेंदर में सुहागिनों ने वट वृक्ष पर रक्षा सूत्र बांधकर मांगी पति की दीर्घायु

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईहा बेलर

ग्राम सेंदर में शनिवार को सुहागिन महिलाओं ने श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ वट सावित्री व्रत का पालन किया। महिलाओं ने अपने पति की दीर्घायु, अखंड सौभाग्य, सुखी दाम्पत्य जीवन एवं परिवार की समृद्धि की कामना करते हुए विधि-विधान से वट वृक्ष की पूजा-अर्चना की।

सेंदर गांव के बाजार चौक पर स्थित वट वृक्षों के नीचे सुबह से ही पूजा का माहौल दिखाई दिया। जिसे सुबह स्नान के बाद महिलाएं व्रत से जुड़ी पूजन सामग्री एकत्र करने में जुट गईं। पूजा में फल, फूल, मिठाई, चना दाल, गुड़, दीप, धूप, दूबी, नवग्रह सामग्री एवं सत्यवान-सावित्री व्रत कथा पुस्तक शामिल रही। दोपहर बाद महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सोलह श्रृंगार कर पूजा स्थलों पर पहुंचीं। इस अवसर पर सरपंच गामनि घृतलहरे, कुसुम साहू, निर्मला साहू, पोसिन साहू, सेमलता साहू, लता वर्मा, नर्मदा साहू, केशरी साहू, गीतांजलि ध्रुव, ममता ध्रुव, लता सेन, रूखमणी नायक, ओमिन साहू, चमेली पाहू सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। जिन्होंने वट वृक्ष अर्थात बरगद के पेड़ के चारों ओर कच्चा धागा बांधकर परिक्रमा की तथा सावित्री-सत्यवान की कथा श्रवण किया।

सुहागिन महिलाओं ने की वट वृक्ष की पूजा

फिंगेश्वर। शनिवार को सुहागिन महिलाओं ने अपने - अपने वार्डो में अपने पति के लंबी उम्र की कामना एवं उत्तम स्वास्थ काक लेकर बट वृक्ष की पूजा अर्चना की। वहीं पर पंडितों ने बट वृक्ष की महिमा की कथा सुनाई। कथा में बताया कि एक पत्नि सावित्री ने कैसे अपने पति के जीवन में आए संकट से उबारने के लिए यमराज से मन्नते की और उसके प्राण बचा लिए। सावित्री के इसी पतिव्रता को लेकर कहा गया है नारी त्याग बलिदान की देवी है। वह जब अपने में आ जाती है तो भगवान से भी लड़ने भीड़ जाती है। इसलिए जीवन में नारी सम्मान का हमेशा ख्याल रखना चाहिए जो घर मे मां, बहन, पत्नि के अनेकों रूप में हमारे सामने होती है।

ग्रामीणो ने मनाया धूमधाम से शनि देव की जयंती

सुरसाबांधा। शनिवार अमावस्या को ग्राम लोहरसी में शनिदेव महाराज की जयंती धूमधाम और श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया गया। शनि मंदिर परिसर में ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान शनिदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे शामिल हुए। कार्यक्रम में जनपद सदस्य नीता साहू एवं सुशील साहू द्वारा श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ग्रामवासियों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में भक्ति गीत, आरती एवं पूजा पाठ के साथ वातावरण भक्तिमय बना रहा। ग्रामीणों ने बताया कि शनि जयंती का यह आयोजन हर वर्ष श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है, जिससे गांव में धार्मिक एवं सामाजिक एकता मजबूत होती है। इस अवसर नूतन साहू, रिपु निर्मलकर,सोहन साहू, देवेन्द्र साहू गिरवर यादव, नेमीशरण साहू,अमित साहू, हरीश यादव सहित गांव के लोग बड़ी संख्या में शामिल थे।

सेंदर के पैटू तालाब में स्वच्छता व गहरीकरण कार्य का भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईहा बेलर

ग्राम पंचायत सेंदर में जीरामजी योजना के अंतर्गत पैटू तालाब सेंदर का स्वच्छता एवं गहरीकरण कार्य का विधिवत भूमि पूजन कर शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सरपंच गामनि राकेश घृतलहरे, ग्राम समीति प्रतिनिधियों एवं पंचगणों की उपस्थिति रही। भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान सरपंच राकेश घृतलहरे ने कहा कि तालाब गहरीकरण कार्य से जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्रामीणों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। इस अवसर पर उपसरपंच तुलसी वर्मा सहित पंचायत प्रतिनिधियों ने योजना के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में पंचगण सुखचंद, धनी सेन, अश्वनी साहू, खिलेश्वर नागरची, कमल ध्रुव एवं योगेश देवांगन उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा रोजगार सृजन के तहत ग्रामवासियों को तालाब के गहरीकरण एवं स्वच्छता कार्य से प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

खबर संक्षेप

विकास कार्य अब धरातल पर साफ दिखाई दे रहे : धीरज जाट

सुरसाबांधा। छत्तीसगढ़ के प्रयागराज कहे जाने वाले राजिम विधानसभा क्षेत्र में हो रहे चहुंमुखी विकास की गूँज अब अन्य प्रदेशों के लोगों के बीच भी सुनाई देने लगी है। हरियाणा निवासी और

वर्तमान में राजिम क्षेत्र में राइस मिल का संचालन कर रहे सफल उद्यमी धीरज जाट ने क्षेत्र में हो रहे बुनियादी सुधारों और विकास की गति को देखते हुए विधायक रोहित साहू के प्रयासों की जमकर सराहना की है। धीरज जाट ने कहा कि पिछले कुछ समय में राजिम विधानसभा के ग्रामीण अंचलों में सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि गांवों में बनाई जा रही सीसी रोड, नए सामुदायिक भवनों का निर्माण और घर-घर तक पहुंचती पेयजल व्यवस्था ने ग्रामीणों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाया है। किसी भी क्षेत्र की उन्नति वहां की सड़कों और बिजली व्यवस्था पर निर्भर करती है। राजिम में जिस सक्रियता के साथ जनसुविधाओं पर काम हो रहा है वह सराहनीय है।

लोहरसी में धूमधाम से मनाई जाएगी भगवान श्री शनिदेव जी की जयंती

कोपरा। पावन ग्राम लोहरसी में आज भगवान श्री शनिदेव जी की जयंती श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाई जाएगी। समस्त ग्रामवासियों एवं दानदाताओं के सहयोग से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम को लेकर गांव में उत्साह का माहौल बना हुआ है। कार्यक्रम के तहत सुबह 8 बजे से कलश यात्रा एवं हवन पूजन का आयोजन किया जाएगा। आयोजन स्थल शीतला पारा, ग्राम लोहरसी मे रखा गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य इंद्रजीत महाडिक उपस्थित रहेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में गांव के जनप्रतिनिधिगण शामिल होंगे। आयोजक समिति एवं समस्त ग्रामवासियों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

एमबीबीएस छात्र और उसके साथियों के साथ मारपीट

महासमुंद। खरोरा के शहीद स्मारक के पास मेडिकल कॉलेज छात्र और उसके साथियों के साथ मारपीट के मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया है। पुलिस को खरोरा अस्पताल महासमुंद में एमबीबीएस छात्र जस आदित्य झा ने बताया कि 11 मई की शाम 4.30 बजे आशुतोष पाली ने फोन कर बुलाया कि आपसे बात करनी है, शहीद स्मारक खरोरा के पास आओ। इसके बाद वह अपने साथी मुकेश कुमार, हितेश धाकड़, धनंजय के साथ शहीद स्मारक ग्राम खरोरा के पहुंचा। वहां पर आशुतोष पाली, आदर्श मिश्रा, सुगम निषाद व अन्य साथी मौजूद थे। इसके बाद उसने आशुतोष पाली के पास जाकर पूछा कि क्या बात करनी है, तब उसने पुरानी रंजिश को को लेकर गाली गलौज कर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। मारपीट को देखकर उसके दोस्त मुकेश कुमार, हितेश धाकड़, एवं धनंजय बीच बचाव करने आये तो उनके साथ भी गाली गलौज कर मारपीट की गई।

कामना : बरगद वृक्ष की पूजा कर सात फेरे लगाए, सुनी सावित्री-सत्यवान की कथा

उत्साह के साथ मनाया वटसावित्री व्रत, सुहागिनों ने बरगद की परिक्रमा कर मांगी पति की दीर्घायु

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

शनिवार को अमावस्या के पावन अवसर पर राजिम शहर सहित पूरे जिले में सुहागिन महिलाओं ने अखंड सौभाग्य, पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना के लिए श्रद्धा और आस्था के साथ वटसावित्री व्रत रखा। सुबह से ही मंदिरों, वटवृक्षों और पूजा स्थलों में महिलाओं की भीड़ देखने को मिली। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर विधि-विधानपूर्वक बरगद वृक्ष की पूजा-अर्चना कर अपने पति की मंगलकामना के लिए प्रार्थना की। राजिम शहर में बरगद वृक्षों के नीचे महिलाएं एकत्र होकर पूजा संपन्न की। पूजा के दौरान वटवृक्ष को जल अर्पित किया, रोली, अक्षत, फूल, फल और पूजन सामग्री चढ़ाई तथा कुमकुम और हल्दी से वृक्ष का पूजन किया। इसके बाद बरगद वृक्ष के चारों ओर सात फेरे लगाकर कच्चा धागा बांधा और अपने पति की दीर्घायु की मंगल कामना की। इस दौरान वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। पूजा स्थलों में महिलाओं की श्रद्धा, भक्ति और उत्साह देखते ही बन रहा था। वटसावित्री व्रत को हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण माना जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से पति पर आने वाले संकट दूर होते हैं और वैवाहिक जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। इसी आस्था के चलते महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर पूरे दिन पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठान किए।

आस्था, समरसता और अटूट प्रेम का प्रतीक

महिलाओं ने कहा कि वटसावित्री व्रत केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि पति-पत्नी के अटूट विश्वास, प्रेम और समर्पण का पर्व है। इस दिन महिलाएं अपने परिवार की सुख-समृद्धि और पति के स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन के लिए भगवान से प्रार्थना करती हैं। कई स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से भजन-कीर्तन भी किया, जिससे माहौल पूरी तरह आध्यात्मिक और भक्तिमय बना रहा। शनिवार को अमावस्या और वटसावित्री व्रत का विशेष संयोग होने से पूजा का महत्व और भी बढ़ गया। सुबह से ही बाजारों में पूजा सामग्री, फल-फूल, श्रृंगार सामग्री और व्रत से जुड़ी वस्तुओं की खरीदारी को लेकर चहल-पहल बनी रही। महिलाओं में इस पर्व को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। कई महिलाओं ने नए वस्त्र और पारंपरिक आभूषण पहनकर पूजा में भाग लिया। क्षेत्र के मंदिरों और पूजा स्थलों में भी विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। महिलाओं ने सामाजिक समरसता और एकजुटता के साथ सामूहिक पूजा कर सुख-शांति और परिवार की खुशहाली की कामना की। वटवृक्ष के नीचे दिनभर धार्मिक वातावरण बना रहा और महिलाओं की आस्था ने इस पर्व को विशेष गरिमा प्रदान की। वटसावित्री व्रत भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की वह अमूल्य धरोहर है, जो परिवार, संस्कार और दांपत्य जीवन के महत्व को जीवंत बनाए रखती है। श्रद्धा, विश्वास और भक्ति के साथ मनाया गया यह पर्व महिलाओं की अटूट आस्था और भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपराओं का सुंदर उदाहरण बनकर सामने आया।

पूजन के पश्चात महिलाओं ने सावित्री और सत्यवान की पौराणिक कथा का श्रवण किया। कथा में बताया गया कि किस प्रकार पतिव्रता सावित्री ने अपने तप, त्याग और अटूट निष्ठा के बल पर यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। यह कथा आज भी भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति, समर्पण और पति के प्रति अटूट प्रेम का प्रतीक मानी जाती है। कथा श्रवण के दौरान महिलाएं पूरी श्रद्धा और भाव-विभोर होकर पूजा में लीन दिखाई दीं।

बोंड़की में मनाया गया वट सावित्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईहा बेलर

भारतीय सनातन संस्कृति में पति की दीर्घायु, अखंड सौभाग्य और सुखमय दांपत्य जीवन की कामना को समर्पित पावन पर्व वट सावित्री व्रत ग्राम बोंड़की में धार्मिक श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। गांव की सुहागिन महिलाओं ने निर्जला उपवास रखकर सोलह श्रृंगार किया तथा सुबह लगभग 10 बजे वट वृक्ष के नीचे एकत्र होकर विधिवत पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने कच्चे धागे से वट वृक्ष की परिक्रमा करते हुए अपने पतियों की लंबी आयु, परिवार की सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। पूजा स्थल पर भक्ति, आस्था और वैदिक मंत्रों की मधुर ध्वनि से वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस धार्मिक अनुष्ठान को पंडित पुरोहित आशुतोष तिवारी लोहारसी द्वारा पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न कराया गया। उन्होंने श्रद्धालु महिलाओं को पौराणिक कथा सत्यवान और सावित्री का श्रवण कराया। कथा में सावित्री के अटूट प्रेम, त्याग, तपस्या और दृढ़ संकल्प का वर्णन करते हुए बताया गया कि सच्चे मन एवं पूर्ण श्रद्धा से वट सावित्री व्रत करने वाली महिलाओं को अखंड सौभाग्य, पति की दीर्घायु तथा सुखी दांपत्य जीवन का आशीर्वाद प्राप्त होता है। पूजन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शीतल सिन्हा, चमेली साहू, रामकुंवर यादव, नूतन साहू, भारती साहू, विशाखा सिन्हा, कुंती सिन्हा, मोतिम ध्रुव, प्रभा ध्रुव, अमेरिका ध्रुव, चंदा ध्रुव, राधा ध्रुव, कुमकुम साहू, रेनू साहू, गीतू साहू, रेशमा सिन्हा, चांदनी सिन्हा एवं रूपेश्वरी साहू सहित बड़ी संख्या में सुहागिन व्रतधारी महिलाएं उपस्थित रहीं। धार्मिक आस्था और पारंपरिक संस्कृति से ओतप्रोत इस आयोजन ने गांव में आध्यात्मिक वातावरण का संचार करते हुए भारतीय संस्कारों एवं पारिवारिक मूल्यों को जीवंत बनाए रखा।

लफेंदी में भक्तिभाव से मनाया गया वट सावित्री पर्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोपरा

लफेंदी गांव में शुक्रवार को महिलाओं ने अपने पति की दीर्घायु एवं सुख-समृद्धि की कामना को लेकर वट सावित्री पूजा श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ धूमधाम से मनाई। सुबह से ही महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर पूजा सामग्री लेकर वट वृक्ष के पास पहुंचीं, जहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा कर धागा बांधा तथा पति की लंबी उम्र और परिवार की खुशहाली की मंगल कामना की। इस अवसर पर महिलाओं ने व्रत कथा का श्रवण किया और धार्मिक गीत-भजन गाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। गांव में पूजा को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। छोटी बच्चियों एवं युवतियों ने भी पारंपरिक रीति-रिवाजों में सहभागिता निभाई। जनपद अध्यक्ष इन्द्राणी साहू, धान साहू, टिकेश्वरि साहू प्रमिला साहू पूर्णिमा साहू तारणी साहू, भारती

साहू खेमलता साहू, ईश्वरी, रेखा, सुशीला, डुमेश्वरि, जाग्रति, यशोदा, कंचन ने बताया कि वट सावित्री व्रत भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है, जिसे पति-पत्नी के अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक माना जाता है। पूजा के बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को बधाई देकर परिवार की सुख-शांति की कामना की। वट सावित्री पूजा मे पूजा अर्चना सिद्धेश्वरानंद महाराज लफंदी आश्रम के सानिध्य में विधि विधान से पूजा अर्चना कराया गया।

महिलाओं ने सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली के लिए रखा निर्जला उपवास

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

ज्येष्ठ अमावस्या के पावन अवसर पर शनिवार को गरियाबंद जिले में सुहाग, समर्पण और अटूट प्रेम का प्रतीक वट सावित्री व्रत श्रद्धा, आस्था और भक्ति के साथ मनाया गया। जिलेभर में सुबह से ही मंदिरों और वट वृक्षों के नीचे सुहागिन महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं ने पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना करते हुए निर्जला उपवास रखकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

शहर के फारेस्ट कॉलोनी, गांधी मैदान और काली मंदिर परिसर स्थित वट वृक्षों के नीचे महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में पूजा की। हाथों में पूजा की थाली लिए महिलाएं वट वृक्ष की परिक्रमा करती नजर आईं। कई स्थानों पर सामूहिक रूप से वट सावित्री कथा श्रवण और भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। महिलाओं ने वट वृक्ष पर कच्चा धागा बांधकर सुखी वैवाहिक जीवन और परिवार की खुशहाली की कामना की। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता सावित्री ने अपने तप, बुद्धिमत्ता और अटल निष्ठा से यमराज से अपने

पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। तभी से यह व्रत अखंड सौभाग्य और दांपत्य प्रेम का प्रतीक माना जाता है।

बरगद का वृक्ष अमरत्व और दीर्घायु का प्रतीक- पूजा में शामिल वर्षा तिवारी ने कहा कि वट सावित्री व्रत केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि पति-पत्नी के अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि महिलाएं पूरे वर्ष इस पर्व का इंतजार करती हैं और श्रद्धा के साथ यह व्रत रखती हैं। वहीं सविता देवांगन ने कहा कि यह पर्व भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने वाला उत्सव है। सुबह से निर्जला व्रत रखकर महिलाएं भगवान से अपने परिवार की खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। धार्मिक जानकारों के अनुसार वट यानी बरगद का वृक्ष अमरत्व और दीर्घायु का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इस वृक्ष में त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है, इसलिए इसकी पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है। अब यह परंपरा केवल विवाहित महिलाओं तक सीमित नहीं रही। छत्तीसगढ़ सहित कई स्थानों पर कुंवारी युवतियां भी योग्य जीवनसाथी की कामना से वट सावित्री व्रत और पूजा में शामिल हो रही हैं। गांव से लेकर शहर तक श्रद्धा और भक्ति से सराबोर यह पर्व सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में नजर आया। महिलाओं की आस्था और उत्साह ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। पूजा में लालिमा ठाकुर, डाली ठाकुर, रिंकी सोनी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रहीं।

देवरी में मनाया गया वट सावित्री व्रत

कोपरा। ग्राम देवरी में वट सावित्री व्रत पर्व श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही सुहागिन महिलाएं सोलह श्रृंगार कर वट वृक्ष के नीचे एकत्रित हुईं, जहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की गई। महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा कर धागा बांधा तथा वट सावित्री व्रत कथा का श्रवण किया। हिंदू धर्म में वट सावित्री व्रत का विशेष महत्व माना जाता है। यह पर्व माता सावित्री के अटूट प्रेम, समर्पण और पतिव्रता धर्म का प्रतीक है। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता सावित्री ने अपने तप, बुद्धि और दृढ़ संकल्प से यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस

प्राप्त किए थे। तभी से सुहागिन महिलाएं अखंड सौभाग्य और पति की दीर्घायु के लिए यह व्रत रखती हैं। ग्राम देवरी में पूजा स्थल पर भक्तिमय वातावरण बना रहा। महिलाओं ने पारंपरिक गीत गाए और एक-दूसरे को व्रत की शुभकामनाएं दीं। गांव में धार्मिक उत्साह और आस्था का सुंदर माहौल देखने को मिला। इस दौरान टेमेश्वरी रेखन साहू, ईशु दुवन तारक, पुष्पलता साहू, ख़ेमीन तारक,नंदनी साहू, लतीभा साहू, मधु साहू, धनेश्वरी साहू, कामिनी साहू, तुलसी साहू, पद्मिनी साहू, रानी नागरची, खिलेश्वरी शोभा साहू, मोनिका साहू, पायल साहू वट सावित्री व्रत कथा वाचक पेमिन वैष्णव सहित सुहागिन महिलाएं मौजूद रही।

विधायक ने कई निर्माण कार्यों की दी सौगात, रंगमंच का किया उद्घाटन

बाइक से दुर्गम रास्ता तय कर नागेश और साहेबिनकछार पहुंचे जनक ध्रुव

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

आदिवासी विकासखण्ड मैनपुर के उदंती अभ्यारण्य के भीतर बसे बीहड़ वनांचल के ग्रामों में पिछले 25 वर्षों से कोई भी विधायक सांसद नहीं पहुंच पाए जिसके पीछे मुख्य कारण यह क्षेत्र घोर नक्सल प्रभावित रहा है और नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण इन ग्रामों में विकास कार्य पूरी तरह से थम गया है जिसके कारण आज छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 26 वर्षों बाद भी ग्रामीण पेयजल,

स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, स्कूल जैसी बुनियादी सुविधाओ को तरस रहे हैं। इन ग्रामों में पहुंचने के लिए पक्की सड़क का भी निर्माण नहीं किया गया है। 31 मार्च को नक्सलमुक्त जिला घोषित होने के बाद बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक जनक ध्रुव अब लगातार बीहड़ वनांचल मे बसे ग्रामों का दौरा कर रहे हैं और तो और जहां पक्की सड़क नहीं है। वहां मोटर साइकिल बाइक से लगातार दौरा कर रहे है। आज शुक्रवार को लगभग 25 वर्षों बाद विधायक जनक ध्रुव जैसे ही ग्राम नागेश, करलाझर, साहेबिनकछार पहुंचे ग्रामीण खुशी से गदगद हो गए और एक किलोमीटर दूर से भीषण गर्मी में रैली निकाल गाजेबाजे के साथ ऐतिहासिक स्वागत किया। ग्राम साहेबिनकछार में बरगद वृक्ष के नीचे सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान सरपंच और ग्राम बुजुर्ग वरिष्ठजनों ने बताया कि पूर्व विधायक ओंकार शाह के बाद आज तक कोई भी विधायक इस क्षेत्र के दौरे में नहीं पहुंचे कई बार आमंत्रित किया गया आज जनक ध्रुव 23 वर्षों बाद पहुंचे है जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को विकास को लेकर उम्मीद बंधी है। इस दौरान ग्रामीणो ने विधायक को सड़क की समस्या के साथ क्षेत्र मे मोबाइल टावर नही होने के कारण भारी परेशानी से अवगत कराया और पेयजल व्यवस्था की बदहाल स्थिति के साथ ही बिजली लगाने की मांग किया विधायक जनक ध्रुव ने ग्रामीणो की समस्या को गंभीरता से सुना इस दौरान सामुदायिक भवन निर्माण, रंगमंच निर्माण, सीसी रोड़ निर्माण जैसे विकास कार्यो की विधायक मद से कराने का घोषणा किया।

मरम्मत करवाने का दिया आश्वासन

साहेबिनकछार के ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दिनो मे यह क्षेत्र के एक दर्जन से ज्यादा गांव पाराटोला पूरी तरह टापू मे तब्दील हो जाता है। एक पहाड़ी रास्ता ओड़िशा सीमा होते हुए भुतबेड़ा की ओर निकलती है यदि इस रास्ते को सुधार करा दिया जाए तो ग्रामीणों को बारिश के दिनों में अस्पताल व जरूरी कार्य के लिए मैनपुर आने जाने में दिक्कत नहीं होगी और राशन सामाग्री भी पहुंच सकती है। ग्रामीणों के मांग पर विधायक ध्रुव ने इस दुर्गम रास्ते में मोटर साइकिल से भुतबेड़ा पहुंचे और इस मार्ग की मरम्मत करवाने का आश्वासन दिया है। इस मौके पर ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री गेंदु यादव, निहाल नेताम, सरपंच चैतीबाई नायक, अर्जुन नायक, रूपसिंग मरकाम, बैजनाथ नेताम, कुशल मरकाम, कृष्णा नागेश, अमर मरकाम, पुनितराम नागा, अशोक नेताम, घांसीराम नायक, सहदेव नागा, गोवर्धन नाग, लीलाबाई नाग, राधाबाई नेताम, मनमती नाग, यशोदा बाई, भुने"वरी, दरिजो बाई, चंद्रमान, प्रेमसिंग, हरिहर यादव, तिरथ नाग, पदुराम, जलसिंग, रनसाय, सोपसिंग सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।